वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हमें पराली से आगे सोचने की जरूरत

चंडीगढ़(देश प्यार)= 09 दिसम्बर 2021= ÷हम सभी को वायु प्रदूषण के समाधान में पराली जलने वाले मुद्दे से हटकर अन्य उत्सर्जक जैसे परिवहन, सड़क की धूल, शहरी कचरे, कारखानें और प्लास्टिक जलने जैसे उपेक्षित कारकों को शामिल करना होगा÷ ये बातें श्री राणा गुरजीत सिंह जी, कैबिनेट मंत्री, पंजाब सरकार द्वारा सेन्टर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी (ष्टस्ञ्जश्वक्क) द्वारा आयोजित कार्यक्रम %विज़न= क्लीन स्काइज फॉर पंजाब% में कही गयी।

÷वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक समाधान समय की आवश्यकता है। ऐसा करने के लिए, सरकारी विभागों को अपनी दृष्टि को संरेखित करना होगा, और पंजाब, जो कि उच्च कृषि उत्पादक होकर निरन्तर पराली जैसी समस्या से जूझ रहा है, उनको वैकल्पिक समाधान देना होगा। सभी उद्योग, कृषि संस्थानों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारी विभागों को समग्र समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।÷उन्होंने चंडीगड़ के इस आयोजन में कहा।

इस मौके पर पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री कुनेश गर्ग ने कहा कि पराली को समस्या नहीं बल्कि ईंधन या उर्वरक बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे बेहतर वायु गुणवत्ता के इलावा किसानों को आर्थिक रूप से मदद मिल सकती है। इस बीच, मोहाली के नगर आयुक्त डॉ कमल कुमार गर्ग ने सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में पर्यावरण सुरक्षा को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हाल ही में कई रिपोर्टों ने पंजाब के गिरते वायु गुणवत्ता को उजागर किया है। जहां ज्यादातर चर्चाएं सर्दियों में पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्रित दिखती हैं, जबकी पंजाब के नागरिक पूरे साल खराब वायु गुणवत्ता से प्रभावित हैं। %द स्टेट ऑफ इंडियाज़ एनवायरनमेंट-2021% रिपोर्ट ने राज्य में वायु गुणवत्ता के कारण 41,900 लोगों के मृत्यु की सूचना दी। 2018 में, पंजाब शीर्ष चार राज्यों में शामिल था, जहां अधिकतम शहर भारत के राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे।

इन्हीं कारणों से प्ररित ष्टस्ञ्जश्वक्कने राज्य में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

कार्यक्रम में बोलते हुए, ष्टस्ञ्जश्वक्क के निदेशक, डॉ जय असुंदी ने कहा, ÷इस चर्चा का प्राथमिक उद्देश्य पंजाब में वायु प्रदूषण के सभी कारणों और प्रभावों को समझना, नीति कार्यान्वयन में व्यावहारिक चुनौतियों को पहचानना, स्थायी समाधानों के विकास में तेजी लाना व राज्य के विभागों की तकनीकी क्षमता का निर्माण करना है।÷

सन्स्था में सेंटर फॉर एयर पॉल्यूशन स्टडीज (ष्ट्रक्क) की प्रमुख डॉ प्रतिमा सिंह ने कहा, ÷पंजाब में वायु प्रदूषण के मुद्दे सर्दियों के महीनों में पराली जलाने के कारण बहुआयत चर्चित रहतें है, जिससे दिल्ली जैसे पड़ोसी राज्य प्रभावित होते हैं, जबकि ऐसे कई कारक हैं जो पंजाब के वायु प्रदूषण में योगदान करते हैं और इन चर्चाओं के माध्यम से, हम इन कारकों पर अधिक वैज्ञानिक आकलन के माध्यम से और स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर, राज्य की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए एक व्यापक और रणनीतिक योजना तैयार करेंगे।

Minister discusses air pollution in state

MOHALI: "We need to look beyond the stubble burning issue and also consider dust and emissions from municipal waste, industries,and burning of plastic while dealing with air pollution," said Rana Gurjeet Singh, Punjab cabinet minister. He was speaking at an event, "Vision: Clean Skies for Punjab", organised at Zirakpur by the Centre for Study of Science, Technology and Policy. **HTC**

‘वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हमें पराली से आगे सोचने की जरूरत’

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। हम सभी को वायु प्रदूषण के समाधान में पराली जलने वाले मुद्दे से हटकर अन्य उत्सर्जक जैसे परिवहन, सड़क की धूल, शहरी कचरे, कारखानें और प्लास्टिक जलने जैसे उपेक्षित कारकों को शामिल करना होगा ये बातें राणा गुरजीत सिंह जी, कैबिनेट मंत्री, पंजाब सरकार द्वारा सेन्टर फ़ॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम ‘विज़न~क्लीन स्काइज फॉर पंजाब’ में कही गयी। ‘वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक समाधान समय की आवश्यकता है। ऐसा करने के लिए, सरकारी विभागों को अपनी दृष्टि को संरेखित करना होगा, और पंजाब, जो कि उच्च कृषि उत्पादक होकर निरन्तर पराली जैसी समस्या से जूझ रहा है, उनको वैकल्पिक समाधान देना होगा। सभी उद्योग, कृषि संस्थानों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारी विभागों को समग्र समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।÷उन्होंने चंडीगड़ के इस आयोजन में कहा। इस मौके पर पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव कुनेश गर्ग ने कहा कि पराली को समस्या नहीं बल्कि ईंधन या उर्वरक बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे बेहतर वायु गुणवत्ता के इलावा किसानों को आर्थिक रूप से मदद मिल सकती है। इस बीच, मोहाली के नगर आयुक्त डॉ कमल कुमार गर्ग ने सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में पर्यावरण सुरक्षा को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

'We need to look beyond stubble burning to improve air quality'

RN KHERA
CHANDIGARH, DEC 9

"We need to go beyond the stubble burning issue and include road dust, and emissions from municipal waste, industries, and burning of plastic while dealing with air pollution," said Shri Rana Gurjeet Singh, Cabinet Minister, Government for Punjab. He was speaking at 'Vision: Clean Skies for Punjab', organised by the Center for Study of Science, Technology and Policy (CSTEP), one of India's leading think tanks in Chandigarh.

"Comprehensive solutions to deal with air pollution are the need of the hour. To make this happen, government departments have to align their vision," he said. Given the large agricultural yield of Punjab, immediate measures are needed to tackle the problem of stubble burning. "We will be able to convince farmers to stop burning stubble only if we present them with alternative solutions. Industry, agricultural universities, pollution control boards, and the government need to work together to find holistic solutions to manage the issue," he said.

Speaking at the event, Mr Krunesh Garg, Member Secretary, Punjab State Pollution Control Board observed that stubble should not be treated as a problem but rather as an opportunity to make fuel or fertilisers.

वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हमें पराली से आगे सोचने की जरूरत

चंडीगढ़ दर्पण / चंडीगढ। हम सभी को वायु प्रदूषण के समाधान में पराली जलने वाले मुद्दे से हटकर अन्य उत्सर्जक जैसे परिवहन, सड़क की धूल, शहरी कचरे, कारखानें और प्लास्टिक जलने जैसे उपेक्षित कारकों को शामिल करना होगाफ़ ये बातें राणा गुरजीत सिंह, कैबिनेट मंत्री, पंजाब सरकार द्वारा सेन्टर फ़ॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम %विज़न- क्लीन स्काइज फॉर पंजाब% में कही गयी। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक समाधान समय की आवश्यकता है। ऐसा करने के लिए, सरकारी विभागों को अपनी दृष्टि को संरेखित करना होगा, और पंजाब, जो कि उच्च कृषि उत्पादक होकर निरन्तर पराली जैसी समस्या से जूझ रहा है, उनको वैकल्पिक समाधान देना होगा। सभी उद्योग, कृषि संस्थानों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारी विभागों को समग्र समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।उन्होंने चंडीगढ़ के इस आयोजन में कहा। इस मौके पर पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव कुनेश गर्ग ने कहा कि पराली को समस्या नहीं बल्कि ईंधन या उर्वरक बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे बेहतर वायु गुणवत्ता के इलावा किसानों को आर्थिक रूप से मदद मिल सकती है। इस बीच, मोहाली के नगर आयुक्त डॉ कमल कुमार गर्ग ने सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में पर्यावरण सुरक्षा को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। हाल ही में कई रिपोर्टों ने पंजाब के गिरते वायु गुणवत्ता को उजागर किया है। जहां ज्यादातर चर्चाएं सर्दियों में पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्रित दिखती हैं, जबकी पंजाब के नागरिक पूरे साल खराब वायु गुणवत्ता से प्रभावित हैं। द स्टेट ऑफ इंडियाज़ एनवायरनमेंट-2021 रिपोर्ट ने राज्य में वायु गुणवत्ता के कारण 41,900 लोगों के मृत्यु की सूचना दी। 2018 में, पंजाब शीर्ष चार राज्यों में शामिल था, जहां अधिकतम शहर भारत के राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे।

Punjab Screen Online ਪੰਜਾਬ ਸਕਰੀਨ पंजाब स्क्रीन
PUNJAB SCREEN
Contact for News:Email:punjabscreen@gmail.com//medialink32@gmail.com: Whatsapp: 99153 22407

Friday, December 10, 2021

'We need to look beyond stubble burning to improve

Thursday: 9th December 2021 at 6:16 PM

Include road dust, municipal waste, industries, and burning of plastic

Symbolic Photo

Chandigarh: 09 December 2021: (Gurjit Billa//Punjab Screen)::

"We need to go beyond the stubble burning issue and include road dust, and emissions from municipal waste, industries, and burning of plastic while dealing with air pollution," said Shri Rana Gurjeet Singh, Cabinet Minister, Government for Punjab. He was speaking at 'Vision:Clean Skies for Punjab', organised by the Center for Study of Science,Technology and Policy (CSTEP), one of India's leading think tanks in Chandigarh.

"Comprehensive solutions to deal with air pollution are the need of the hour. To make this happen, government departments have to align their vision," he said. Given the large agricultural yield of Punjab, immediate measures are needed to tackle the problem of stubble burning. "We will be able to convince farmers to stop burning stubble only if we present them with alternative solutions. Industry, agricultural universities, pollution control boards, and the government need to work together to find holistic solutions to manage the issue," he said.

Speaking at the event, Mr Krunesh Garg, Member Secretary, Punjab State Pollution Control Board observed that stubble should not be treated as a problem but rather as an opportunity to make fuel or fertilisers. This could help farmers financially while contributing to better air quality, he said.

Meanwhile, Dr Kamal Kumar Garg, Municipal Commissioner, Mohali, stressed the need for incorporating environmental safety in the manifesto of all political parties. Numerous reports recently have highlighted Punjab's deteriorating air quality. While most discussions centre around the issue of stubble burning in winter, citizens of Punjab are affected by poor air quality levels throughout the year.

The State of India's Environment 2021 reported as many as 41,900 deaths in Punjab due to air quality issues in the state. In 2018, Punjab featured among the top four states with maximum cities that failed to meet India's national air quality standards. It is in this context that CSTEP organised the event to find practical solutions to improve the air quality in the state.

Speaking at the event, Dr. Jai Asundi, Executive Director, CSTEP said, "The primary objective of this discussion is to understand all the causes and impacts of air pollution in 2 www.cstep.in Punjab, identify practical challenges in policy implementation, expedite the development of sustainable solutions, and build the technological capacity of state departments."

Dr. Pratima Singh, Lead of the Centre for Air Pollution Studies at CSTEP said, "The issue of air pollution in Punjab receives a lot of attention during the winter months because of stubble burning which affects neighbouring states such as Delhi. But many factors contribute to Punjab's air pollution. Through these discussions, we hope to initiate a deeper conversation on these factors and through scientific assessments and by engaging with local communities, we will prepare a comprehensive and strategic plan for improving the state's air quality."

Punjab Screen Online
पंजाब स्क्रीन
Contact for News: Email: punjabscreen@gmail.com// medialink32@gmail.com: Whatsapp: 99153 22407

Friday, December 10, 2021

'वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पराली से आगे सोचना ज़रुरी'

Thursday: 9th December 2021 at 6:16 PM

परिवहन, सड़क की धूल, शहरी कचरा, कारखानें और प्लास्टिक जलना भी अन्य उत्सर्जक

चंडीगढ: 09 दिसम्बर 2021: (गुरजीत सिंह बिल्ला//पंजाब स्क्रीन)::

"हम सभी को वायु प्रदूषण के समाधान में पराली जलने वाले मुद्दे से हटकर अन्य उत्सर्जक जैसे परिवहन, सड़क की धूल, शहरी कचरे, कारखानें और प्लास्टिक जलने जैसे उपेक्षित कारकों को शामिल करना होगा" ये बातें श्री राणा गुरजीत सिंह जी, कैबिनेट मंत्री, पंजाब सरकार द्वारा सेन्टर फ़ॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी (CSTEP) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'विज़न: क्लीन स्काइज फॉर पंजाब' में कही गयी।

"वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक समाधान समय की आवश्यकता है। ऐसा करने के लिए, सरकारी विभागों को अपनी दृष्टि को संरेखित करना होगा, और पंजाब, जो कि उच्च कृषि उत्पादक होकर निरन्तर पराली जैसी समस्या से जूझ रहा है, उनको वैकल्पिक समाधान देना होगा। सभी उद्योग, कृषि संस्थानों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारी विभागों को समग्र समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है।"उन्होंने चंडीगड़ के इस आयोजन में कहा।

इस मौके पर पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री कुनेश गर्ग ने कहा कि पराली को समस्या नहीं बल्कि ईंधन या उर्वरक बनाने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे बेहतर वायु गुणवत्ता के इलावा किसानों को आर्थिक रूप से मदद मिल सकती है।

इस बीच, मोहाली के नगर आयुक्त डॉ कमल कुमार गर्ग ने सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में पर्यावरण सुरक्षा को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हाल ही में कई रिपोर्टों ने पंजाब के गिरते वायु गुणवत्ता को उजागर किया है। जहां ज्यादातर चर्चाएं सर्दियों में पराली जलाने के मुद्दे पर केंद्रित दिखती हैं, जबकी पंजाब के नागरिक पूरे साल खराब वायु गुणवत्ता से प्रभावित हैं। 'द स्टेट ऑफ इंडियाज़ एनवायरनमेंट-2021' रिपोर्ट ने राज्य में वायु गुणवत्ता के कारण 41,900 लोगों के मृत्यु की सूचना दी। 2018 में, पंजाब शीर्ष चार राज्यों में शामिल था, जहां अधिकतम शहर भारत के राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने में विफल रहे।

इन्हीं कारणों से प्ररित CSTEP ने राज्य में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

कार्यक्रम में बोलते हुए, CSTEP के निदेशक, डॉ जय असुंदी ने कहा, "इस चर्चा का प्राथमिक उद्देश्य पंजाब में वायु प्रदूषण के सभी कारणों और प्रभावों को समझना, नीति कार्यान्वयन में व्यावहारिक चुनौतियों को पहचानना, स्थायी समाधानों के विकास में तेजी लाना व राज्य के विभागों की तकनीकी क्षमता का निर्माण करना है।"

संस्था में सेंटर फॉर एयर पॉल्यूशन स्टडीज (CAPS) की प्रमुख डॉ प्रतिमा सिंह ने कहा, "पंजाब में वायु प्रदूषण के मुद्दे सर्दियों के महीनों में पराली जलाने के कारण बहुआयत चर्चित रहतें है, जिससे दिल्ली जैसे पड़ोसी राज्य प्रभावित होते हैं, जबकि ऐसे कई कारक हैं जो पंजाब के वायु प्रदूषण में योगदान करते हैं और इन चर्चाओं के माध्यम से, हम इन कारकों पर अधिक वैज्ञानिक आकलन के माध्यम से और स्थानीय समुदायों के साथ जुड़कर, राज्य की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए एक व्यापक और रणनीतिक योजना तैयार करेंगे।